(व्याकरण)
पदबंध

शब्द और पदः— भाषा की लघुतम सार्थक स्वतंत्र इकाई को शब्द कहते हैं। जब तक कोई अर्थवान वर्ण–समूह स्वतंत्र रूप से प्रयुक्त होता है, उसे शब्द कहते हैं। शब्दकोश में पाए जाने वाले सब शब्द **'शब्द'** कहलाते हैं, क्योंकि वे अर्थवान भी होते हैं तथा स्वतंत्र (वाक्य से बाहर) भी होते हैं। किन्तु यही शब्द वाक्य में प्रयुक्त होने से **पद** बन जाते है। 'लड़का' एक शब्द है। किन्तु लड़का रो रहा है। (वाक्य में प्रयुक्त होने के कारण **पद** है)

पदबंध :—

जब एक से अधिक पद सामूहिक रूप में किसी एक व्याकरणिक इकाई, जैसे— *संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया, क्रियाविशेषण आदि* की जगह प्रयुक्त हों, तो उस 'बँधी इकाई' को **पदबंध** कहते है।

दूसरे शब्दों में, अनेक पदों के योग से बने वाक्यांश को, जो एक ही पद का काम करता है, पदबंध कहते हैं।

जैसे —

मोहन सामने वाले मैदान में खेलेगा।

— यहाँ 'सामने वाले मैदान' पदबंध **संज्ञा पद** का काम कर रहा है।

पदबंध के पाँच प्रकार होते हैं?

1. संज्ञा पदबंध
2. सर्वनाम पदबंध
3. विशेषण पदबंध
4. क्रिया पदबंध
5. क्रियाविशेषण पदबंध

1. संज्ञा पदबंध — संज्ञा–पद की जगह प्रयुक्त होने वाला पदबंध संज्ञा–पदबंध कहलाता है। इसकी पहचान यह है कि इसमें शीर्ष पद संज्ञा–पद होता है तथा शेष पद उस पर आश्रित होते हैं। प्रमुखतया निम्न प्रकार के संज्ञा पदबंध पाए जाते हैं

उदाहरण —

नाव **उफनती नदी** में डूब गई।
छत पर रहने वाला कबूतर आज दिखाई नहीं पड़ा।
मीठे–मीठे सपने देखने वाले लोग अकर्मण्य होते हैं।
लंदन से आए हुए मेहमान आगरा गए हैं।
घर से भागकर आया हुआ लड़का पकड़ा गया।
पहरे पर सावधान सिपाही ने चोर को पकड़ लिया।

2 सर्वनाम पदबंध — सर्वनाम का काम करने वाला पदबंध 'सर्वनाम पदबंध' कहलाता है। इसमें पूरा वाक्य–खंड किसी सर्वनाम शब्द से संबंध रखता है।

उदाहरण —

हमेशा शोर करने वाला वह आज शांत है।
चोट खाए हुए तुम भला क्या खेलोगे?
सोच समझ कर काम करने वाला वह गलती नही करेगा।

3 विशेषण पदबंध — विशेषण का कार्य करने वाले पदबंध 'विशेषण पदबंध' कहलाते हैं। इनमें शीर्ष पद पर 'विशेषण' स्थित होता है।

आश्रित पद के स्थान पर प्रायः प्रविशेषण प्रयुक्त होता है।

जैसे —

(क) प्रविशेषण — बहुत सुंदर, थोड़ा नमकीन, ज्यादा मीठा, कुछ फीका–फीका, लगभग हजार, कोई एक लाख

(ख) तुलनात्मक/सादृष्यात्मक — सिंह–जैसा बलवान, हीरे–से भी अधिक उज्जवल।

उदाहरण —

मेरे कानपुर वाले मित्र ने मुझे **एक सचित्र और मोटी** पुस्तक भेजी।
आप **सचमुच महान दयावान** हैं।
अटल जैसे कर्मयोगी आजकल दुर्लभ हैं।

विशेषण–पदबंध प्रायः संज्ञा–पदबंधों के अंग होते हैं। परंतु जहाँ विधेय विशेषण का प्रयोग होता हैः वहाँ ये स्वतंत्र रूप में प्रयुक्त होते हैं।

जैसे—

घोंसलों में रहने वाली चिड़िया उड़ गई।
रात में भौंकने वाला कुत्ता मर गया।
मेरा मित्र **बहुत नेक और ईमानदार** है।
विराट **बहुत अच्छा** खेलता है।
धोनी की बल्लेबाजी **तेज़, आक्रामक और आकर्षक** होती है।

4 क्रिया पदबंध – एक से अधिक क्रियापद मिलकर जहाँ क्रिया का कार्य कर रहे हों, उसे क्रिया–पदबंध कहते हैं। इनमें मुख्य 'क्रिया' शीर्ष में होती है। अन्य पद उस पर आश्रित होते हैं। प्रायः आश्रित पद मुख्य क्रिया के बाद आते हैं।

जैसे –

मोहन किताब **पढ़ रहा है।**

– इमसें 'पढ़' शीर्ष पद है तथा 'रहा है' आश्रित पद। अन्य कुछ उदाहरण देखिए

बालक **खेलता है।**
मैं **चल सकता हूँ।**
जो छात्र परिश्रम करेंगे, वे ही परीक्षा में **उत्तीर्ण होंगे।**
पतंग हवा में **उड़ती चली गई।**
दिन–रात परिश्रम करने वाले **सफल हेा जाते हैं।**

5 क्रियाविशेषण पदबंध – क्रियाविशेषण पद की जगह प्रयुक्त होने वाले पदबंध क्रियाविशेषण पदबंध कहलाते हैं। इनमें क्रियाविशेषण शीर्ष में होता है। प्रायः प्रविशेषण आश्रित पद होते हैं।

जैसे –

वह **बहुत धीरे–धीरे** उठा।

यहाँ 'धीरे–धीरे' क्रियाविशेषण 'शीर्ष पद' है तथा 'बहुत' आश्रित पद।

अन्य उदाहरण –

वह **दौड़ते–दौड़ते** थक गया।
छोटे बच्चे **चलते–चलते** गिर पड़ते हैं।
हमारा खेत **इस कोने से उस कोने तक** फैला है।
सूरज **धीरे–धीरे** डूबता जा रहा था।
वह **फुटबाल की तरह लुढ़कर** गिर गया।
दोनों कबूतर **खिड़की से बाहर** देखते रहते हैं।
वह **पहले से बहुत धीरे** बोला।

पद	पदबंध
जब कोई **एक शब्द** वाक्य की किसी इकाई (संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया, अव्यय आदि) का काम करता है तो वह **पद** कहलाता है। उदाहरणतया – **मोहन** सोता है। यहाँ 'मोहन' पद है। यह संज्ञा–पद है। एक ही शब्द होने के कारण यह पद है।	जब **एकाधिक पद (शब्द)** मिलकर किसी एक संज्ञा , सर्वनाम, विशेषण, क्रिया या अव्यय का काम करते है तो उस बँधी हुई इकाई को **पदबंध** कहते हैं। उदाहरणतया – **सोहन का भाई मोहन** सोता है। यहाँ 'सोहन का भाई मोहन' भी संज्ञा–पद का कार्य कर रहा है। ये चारों एक इकाई हैं। अतः यह पदबंध है।

प्रश्न–1 निम्नलिखित रेखांकित पदबंधों के प्रकार बताइए –

1. **आदर्शों का पालन करने वाले** ही समाज को ऊपर ले जाते हैं।
2. वजीर अली का कारवाँ जंगलों में **भटक रहा था।**
3. अरूणिमा **धीरे–धीरे चलते हुए** वहाँ जा पहुँची।
4. **पल–पल चली जाने वाली** बिजली ने सबको परे"ाान कर दिया।
5. **तताँरा की तलवार** एक विलक्षण रहस्य थी।
6. बच्चे **शोर मचाते हुए** आगे बढ़ रहे थे।
7.

प्रश्न–2 निदेशानुसार कीजिए–

1. मेरी छोटी बहन बहुत बीमार है। (संज्ञा पदबंध छाँटकर लिखिए)
2. विजया हर समय झाडू लगाती रहती है। (क्रिया पदबंध छाँटकर लिखिए)
3. यहाँ से चार किलोमीटर दूर हमारा विद्यालय है। (क्रियावेशेषण पदबंध छाँटकर लिखिए)

प्रश्न–3 शब्द किसे कहते है। उदाहरण सहित लिखिए। एवं शब्द और पद में क्या अंतर है? उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए।